पुनरावृत्ति कार्य-पत्र–3

पृष्ठ संख्या–243

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

I.	1. (ग)	2. (क)	3. (ख)	4. (ग)	5. (घ)
II.	1. (घ)	2. (घ)	3. (घ)	4. (ग)	5. (ग)

पुनरावृत्ति कार्य-पत्र–4

पृष्ठ संख्या–245

उत्तर–

I. **(1)** लक्ष्य-पथ पर आगे बढ़ते समय जिस-जिस हमराही से प्रेम मिला, उन सभी हमराहियों को कवि धन्यवाद दे रहा है।

(2) कवि के अनुसार जीवन अस्थिर, अनजाना, नश्वर, चंचल, क्षणभंगुर और नाना प्रकार की बाधाओं से भरा पड़ा है।

(3) कवि पथिक को नश्वर और पथ को अमर कह रहा है।

(4) कवि के अनुसार जो राह में आनेवाली परिस्थितियों से अवगत होते हैं, वही जीवन-पथ पर चल पाते हैं।

(5) **शीर्षक :** जिस-जिस से पथ पर स्नेह मिला।

II. **(1)** कवि अपने सभी सुखों का कारण मातृभूमि को मान रहे हैं।

(2) कवि मातृभूमि के प्रत्युपकार की बात कर रहे हैं।

(3) कवि के अनुसार उसका शरीर मातृभूमि की मिट्टी से ही निर्मित है।

(4) कवि प्रस्तुत काव्यांश में कहते हैं कि इस शरीर को अंत में मातृभूमि ही अपनाएगी।

(5) **शीर्षक :** मातृभूमि